प्रेस को सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति संख्या 26/2022)

तत्काल प्रकाशन के लिए

**भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण**

## भादूविप्रा ने दीनदयाल पोर्ट, कांडला, गुजरात में स्ट्रीट फर्नीचर का उपयोग करके 5जी की तैनाती के लिए पायलट अध्ययन शुरू किया

**कांडला, 29 अप्रैल 2022:** भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (भादूविप्रा) ने दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी (डीपीए) के साथ मिलकर आज एक प्रारंभिक बैठक में "5वीं जनरेशन (5जी) स्मॉल सेल और एरियल फाइबर डिप्लॉयमेंट यूजिंग दीनदयाल पोर्ट स्ट्रीट फर्नीचर" नामक एक पायलट अध्ययन लॉन्च किया।

2. स्मॉल सेल ऐसे उपकरण हैं जिन्हें आगामी 5जी नेटवर्क के लिए तैनात किया जाएगा। यह अल्ट्रा-हाई ब्रॉडबैंड स्पीड प्रदान करने के लिए उच्च आवृत्तियों के स्पेक्ट्रम का उपयोग करता है और उपयोगकर्ता के करीब रखा जाता है ताकि उपयोगकर्ता के अनुरोध पर त्वरित प्रतिक्रिया प्रदान की जा सके। स्ट्रीट फर्नीचर का उपयोग बिजली के खंभे, बस स्टैंड, ट्रैफिक लाइट आदि चीजों को दर्शाने के लिए किया जाता है।

3. पायलट अध्ययन भारतीय बंदरगाहों पर 5जी स्मॉल सेल की तैनाती में आने वाली चुनौतियों को समझने में मदद करेगा। अच्छा कवरेज प्रदान करने के लिए एक वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में सैकड़ों 5 जी स्मॉल सेल स्थापित करने की आवश्यकता है। बंदरगाहों पर पहले से उपलब्ध स्ट्रीट फर्नीचर जैसे पोल आदि का उपयोग इन 5जी स्मॉल सेल को माउंट करने के लिए किया जा सकता है, जिससे हजारों नए टावरों को खड़ा करने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। यह न केवल तेजी से 5जी की तैनाती सुनिश्चित करेगा बल्कि बंदरगाहों पर कम उपयोग किए गए स्ट्रीट फर्नीचर की वास्तविक क्षमता को भी बढ़ावा देगा। इन अत्यधिक विश्वसनीय 5जी नेटवर्क का उपयोग करने वाले पोर्ट, एंटरप्राइज सॉल्यूशंस लॉन्च करने में सक्षम होंगे जो बदले में उन्हें सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में मदद करेंगे।

4. भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (भादूविप्रा), दूरसंचार विभाग (डीओटी) और दूरसंचार इंजीनियरिंग केंद्र (टीईसी) के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा, बीएसएनएल, जियो, एयरटेल, वोडाफोन आइडिया लिमिटेड और इंडस टावर्स के उच्च अधिकारियों के साथ सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) ने भी बैठक में भाग लिया। दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी (डीपीए) की टीम का नेतृत्व उपाध्यक्ष ने किया। इंडस टावर्स के साथ वोडाफोन आइडिया, एयरटेल, जियो और बीएसएनएल संयुक्त रूप से इस पायलट अध्ययन पर दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी (डीपीए) के साथ काम करेंगे।

5. भारतीय बंदरगाहों की बेहतर उत्पादकता और दक्षता से अधिक कुशल आपूर्ति श्रृंखला और समग्र भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। दुनिया भर में बंदरगाहों पर 5जी की तैनाती और विभिन्न उपयोग के मामलों के परिणामस्वरूप बेहतर संचालन, लागत में कमी और उत्पादकता में वृद्धि हुई है।

6. इसी तरह के पायलट अध्ययन भादूविप्रा द्वारा दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, स्मार्ट सिटी भोपाल और नम्मा मेट्रो बेंगलुरु में भी शुरू किए गए थे।

वि. रघुनंदन

**(वी. रघुनंदन)**
**सचिव, भादूविप्रा**